

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 1025

Mobile Number : 9428502456

Receipt No. : A0613

Member Name : पू.आचार्य भ. विजय जगचंद्रसूरीश्वरजी म.सा.

Total Issued : 837

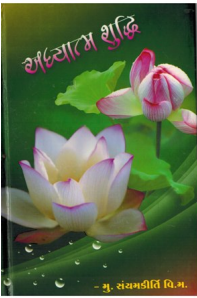
Address : 11, भुवनेश्वरपार्क सोसायटी, नारणपुरा क्रोसींग, नारणपुरा

Issue Date : 10/02/2023

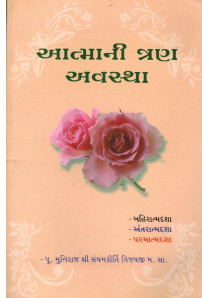
Last Date : 11/05/2023

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                                |
|--------|-------------|-----------------------------------------------------------|
| 1      | AC00453     | अध्यात्मशुद्धि                                            |
| 2      | AC07624     | आत्मानि त्रण अवस्था                                       |
| 3      | AC01905     | आत्मा का विकास क्रम (भाग-1) (निगोद से मोक्ष तक की यात्रा) |
| 4      | AC01906     | आत्मा का विकास क्रम (भाग-2) (निगोद से मोक्ष तक की यात्रा) |
| 5      | AC12038     | अध्यात्मनो अधिकार                                         |
| 6      | AL05618     | भावना भवनाशिनी                                            |
| 7      | AL05276     | अध्यात्म केम पामशो ?                                      |
| 8      | AC07284     | अध्यात्म ध्यानयोग                                         |

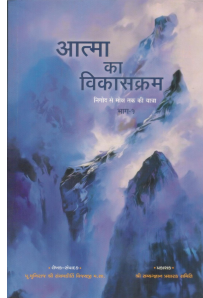
AC00453



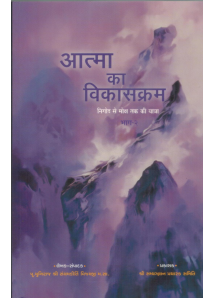
AC07624



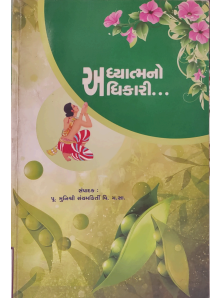
AC01905



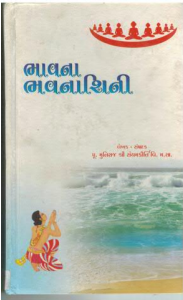
AC01906



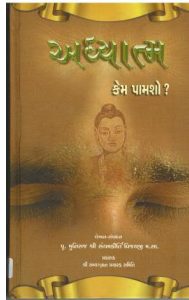
AC12038



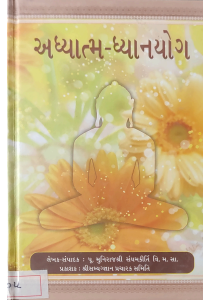
AL05618



AL05276



AC07284



**Notes :** AC00453, AC07624, AC01905, AC01906, AC01906, AC12038, AL05618, AL05276, AC07284 - पूर्णचन्द्र म.सा (चाणस्मा)  
AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AL - लोकप्रिय साहित्य विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

### संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्थु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेतलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.